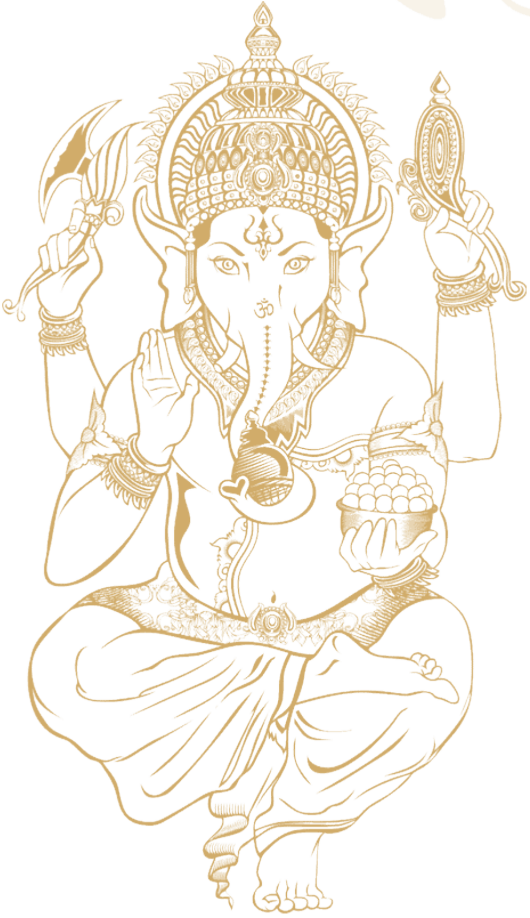

17 Oct 1993

08:25 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121069804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/10/1993**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:25:00 घंटे**
इष्ट	05:04:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:03:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:46:22 घंटे
सूर्योदय	06:23:13 घंटे
सूर्यास्त	17:49:32 घंटे
दिनमान	11:26:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:58:56 कन्या
लग्न के अंश	25:21:09 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:21:09	307:09:12	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कन्या	29:58:56	00:59:34	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			तुला	23:04:44	14:51:55	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	19:55:35	00:41:39	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
बुध			तुला	24:35:19	00:49:46	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु		अ	तुला	00:59:43	00:13:03	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	07:36:17	01:14:24	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	नीच राशि
शनि	व		मक	29:57:45	00:01:07	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	09:47:19	00:02:12	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:47:19	00:02:12	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	24:37:01	00:01:00	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:40:52	00:00:34	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	00:25:52	00:02:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	00:31:01	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:28

लग्न-चलित

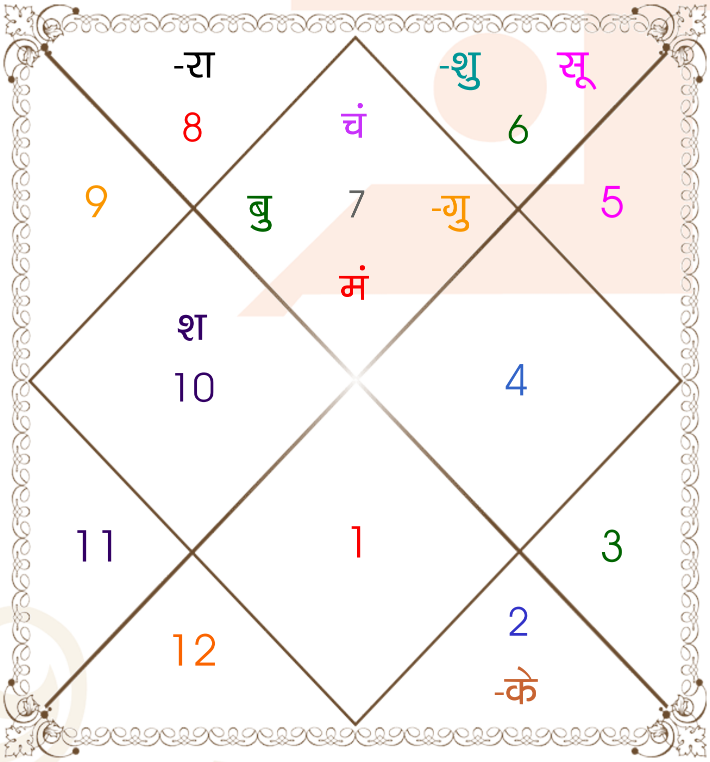

चन्द्र कुंडली

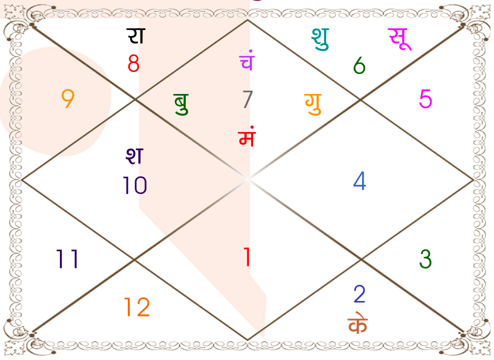

नवमांश कुंडली

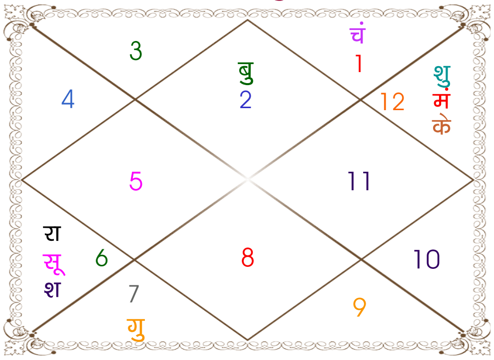

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 3 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
17/10/1993	**05/02/2006**	**05/02/2025**	**05/02/2042**	**05/02/2049**
05/02/2006	**05/02/2025**	**05/02/2042**	**05/02/2049**	**05/02/2069**
17/10/1993	शनि 08/02/2009	बुध 05/07/2027	केतु 05/07/2042	शुक्र 07/06/2052
शनि 07/10/1994	बुध 19/10/2011	केतु 01/07/2028	शुक्र 04/09/2043	सूर्य 07/06/2053
बुध 12/01/1997	केतु 27/11/2012	शुक्र 02/05/2031	सूर्य 10/01/2044	चंद्र 06/02/2055
केतु 19/12/1997	शुक्र 28/01/2016	सूर्य 07/03/2032	चंद्र 10/08/2044	मंगल 07/04/2056
शुक्र 19/08/2000	सूर्य 09/01/2017	चंद्र 07/08/2033	मंगल 06/01/2045	राहु 08/04/2059
सूर्य 07/06/2001	चंद्र 10/08/2018	मंगल 04/08/2034	राहु 24/01/2046	गुरु 07/12/2061
चंद्र 07/10/2002	मंगल 19/09/2019	राहु 20/02/2037	गुरु 31/12/2046	शनि 05/02/2065
मंगल 13/09/2003	राहु 26/07/2022	गुरु 29/05/2039	शनि 09/02/2048	बुध 07/12/2067
राहु 05/02/2006	गुरु 05/02/2025	शनि 05/02/2042	बुध 05/02/2049	केतु 05/02/2069

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
05/02/2069	**06/02/2075**	**05/02/2085**	**06/02/2092**	**06/02/2110**
06/02/2075	**05/02/2085**	**06/02/2092**	**06/02/2110**	**00/00/0000**
सूर्य 26/05/2069	चंद्र 07/12/2075	मंगल 04/07/2085	राहु 19/10/2094	गुरु 27/03/2112
चंद्र 24/11/2069	मंगल 07/07/2076	राहु 23/07/2086	गुरु 14/03/2097	शनि 18/10/2113
मंगल 01/04/2070	राहु 06/01/2078	गुरु 29/06/2087	शनि 19/01/2100	00/00/0000
राहु 24/02/2071	गुरु 08/05/2079	शनि 07/08/2088	बुध 08/08/2102	00/00/0000
गुरु 13/12/2071	शनि 06/12/2080	बुध 04/08/2089	केतु 27/08/2103	00/00/0000
शनि 24/11/2072	बुध 08/05/2082	केतु 31/12/2089	शुक्र 26/08/2106	00/00/0000
बुध 01/10/2073	केतु 07/12/2082	शुक्र 02/03/2091	सूर्य 21/07/2107	00/00/0000
केतु 05/02/2074	शुक्र 07/08/2084	सूर्य 08/07/2091	चंद्र 19/01/2109	00/00/0000
शुक्र 06/02/2075	सूर्य 05/02/2085	चंद्र 06/02/2092	मंगल 06/02/2110	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 4 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशवाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।